राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

10 सितम्बर 2016

आशा के लिए जानकारी पत्र

सामुदायिक जागरूकता में आशा की अहम भूमिका

1. समुदाय को कृमि नियंत्रण के लाभ एंव राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस **10 सितम्बर 2016** के बारे में बताएं और सभी को प्रोत्साहित करें कि बच्चों को इस दिन स्कूल/आंगनवाड़ी अवश्य भेजें।
2. जो बच्चे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर किसी भी कारण से छूट जाएं उन्हें यह दवाई मॉप–आप दिवस **17 सितम्बर 2016** पर लेने के लिए प्रेरित करें।
3. कार्यक्रम से पूर्व अपने क्षेत्र में ग्रह भ्रमण के समय सभी गैर पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों की सूची तैयार रखें और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को दें।
4. अधिक से अधिक गैर पंजीकृति और स्कूल ना जाने वाले को आंगनवाड़ी के माध्यम से इस कार्यक्रम का लाभ दिलाने में सहयोग करें।
5. ग्राम पंचायत एंव वी.एच.एन.डी मीटिंग द्वारा समुदाय के लोगों को कृमि नियंत्रण के लाभ एंव कार्यक्रम तिथि के बारे में जागरूक करें।
6. समुदाय को सूचित करें कि कृमि नियंत्रण कार्यक्रम सम्बंधित मीडिया संदेश रेडियो, अखबार व टीवी आदि द्वारा प्रचारित किया जाएगा, उन्हें ध्यान से सुनें/देखें।
7. कृमि नियंत्रण के लाभ और उससे जुड़ी संपूर्ण जानकारी अपने आंगनवाड़ी पर आए बच्चों और उनके माता–पिता/अभिभावकों को अवश्य बताएँ। उन्हें बताएँ की यह दवाई सभी बच्चों को देना आवश्यक है।

कृमि कैसे फैलता है।

1. संक्रमित बच्चे के शौच में कृमि के अंडे होते हैं। खुले में शौच करने से ये अंडे मिट्टी में मिल जाते हैं और विकसित होते हैं।

2. अन्य बच्चे नंगे पैर चलने से, गंदे हाथों से खाना खाने से या फिर बिना ढका हुआ भोजन खाने से, लार्वा के संपर्क में आने से संक्रमित हो जाते हैं।

3. संक्रमित बच्चों में कृमि के अंडें व लार्वा रहते हैं और बच्चों के स्वास्थ्य पर हानि पहुचाँते हैं।

कृमि संक्रमण का बच्चों की सेहत पर असर

- कुपोषण • खून की कमी (अनीमिया) • भूख न लगना
- बेचैनी • पेट में दर्द • उल्टी और दस्त
- वज़न में कमी आना
- कृमि की जितनी अधिक मात्रा (तीव्रता) होगी, संक्रमित बच्चों में लक्षण उतने अधिक होंगे
- हल्के संक्रमण वाले बच्चों में आम तौर पर कोई लक्षण दिखाई नहीं देते

बच्चों में कृमि नियंत्रण के फायदे

- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर
- स्कूल और आंगनवाड़ी में उपस्थिति तथा बच्चों में सीखने की क्षमता में सुधार
- भविष्य में कार्य क्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- वातावरण में कृमि की संख्या कम होने पर समुदाय को लाभ मिलता है

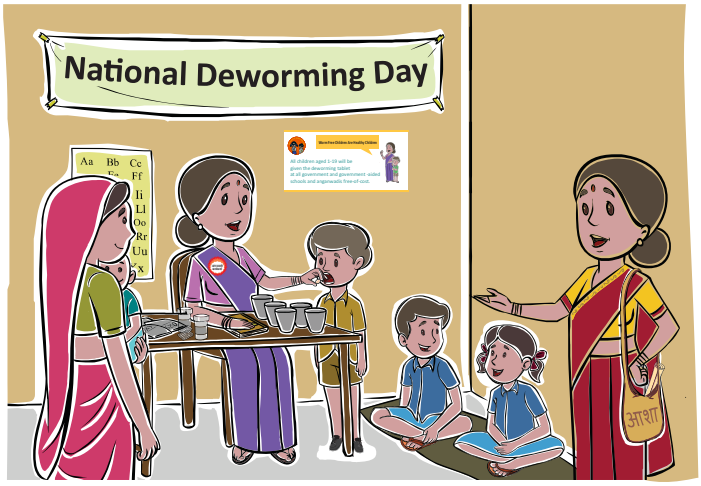

कृमि नियंत्रण की दवाई खाने के साथ-साथ कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण व्यवहार

खुले में शौच न करें, हमेशा शौचालय का प्रयोग करें

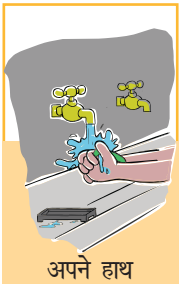
अपने हाथ साबुन से धोएं, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद

जूते पहनें

नाखून साफ और छोटे रखें

हमेशा साफ पानी पीऐं। खाने को ढक कर रखें

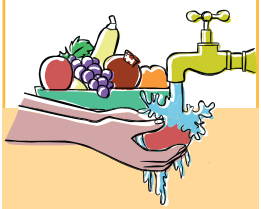
साफ पानी में फल व सब्ज़ियाँ धोएँ

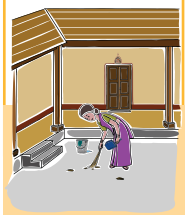
आस पास सफ़ाई रखें

इन व्यवहार के बारे में समुदाय के लोगों, माता-पिता और बच्चों को नियमित रूप से जानकरी दें।

1. एल्बेंडाजॉल बच्चों और बड़ो के लिए सुरक्षित दवाई है। दवाई हमेशा अपनी निगरानी में स्कूल/आंगवाड़ी में दें।
2. जो बच्चे बीमार हैं, या कोई अन्य दवाई ले रहे हैं, उन्हें कृमि नियंत्रण की दवाई ना दें।
3. गले में दवाई अटकने से बचाने के लिए बच्चों को हमेशा दवाई चबाने की सलाह दें। पीने का पानी साथ रखें।
4. जिन बच्चों में कृमि होते हैं, उन्हें दवाई खाने पर कुछ मामूली लक्षण जैसे–जी मचलना, पेट में हल्का दर्द, उल्टी, दस्त और थकान महसूस हो सकती है। घबरायें नहीं।
5. किसी भी चिकित्सिक सहायता के लिए आपतकालीन परिवहन 108 को संपर्क करें।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक और निर्देश अनुसार भागीदार बनें।

सत्यमेव जयते
स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर
NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
सिफ्सा SIFPSA
सर्व शिक्षा अभियान सब पढ़ें सब बढ़ें
Evidence Action Deworm the World Initiative